हिन्दी साप्ताहिक

बतकही

RNI No. UPHIN/2021/82967

वर्ष 4 अंक 37 | फतेहपुर, सोमवार, 28 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 4 मूल्य 1 रूपया

आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प -मोदी

मधुबनी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल सभी आतंकवादियों और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा देने का संकल्प जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है बल्कि देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने अपने भाषण में कुछ बातें अंग्रेजी में भी कहीं, जिसमें उन्होंने कहा, ''मित्रो, आज मैं बिहार की धरती से पूरी दुनिया को बता देना चाहता हूं कि भारत एक एक आतंकवादी और उनके आकाओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा। हम धरती के आखिरी छोर तक उनका (पहलगाम के हमलावरों का) पीछा करेंगे। आतंकवाद कभी भारत का मनोबल नहीं तोड़ पाएगा। मंगलवार को पहलगाम के बैरसन में आतंकी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

इस हमले के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला सार्वजनिक बयान है। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर उसे दिए एक संदेश में कहा, '' मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी..सजा मिलकर रहेगी। मोदी ने कहा, '' अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है।श्र प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है, करोड़ों देशवासी दुखी हैं। उन्होंने कहा, ''सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन पीड़ितों का इलाज चल रहा है, उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए सरकार हर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ''न्याय के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। पूरा देश इसके लिए दृढ़संकल्पित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों का दृढ़संकल्प आतंकवाद की कमर तोड़कर रहेगा।

मोदी ने कहा ''मानवता में विश्वास रखने वाले सभी लोग हमारे साथ हैं, मैं हमारे साथ इस मौके पर खड़े सभी लोगों और विभिन्न देशों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं। इससे पहले राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उनके साथ मंच पर उपस्थित नेताओं और वहां उपस्थित विशाल जनसमूह ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और कुछ पल का मौन रखा। मोदी ने कार्यक्रम में अपना भाषण शुरू करने से पहले जनसभा में उपस्थित लोगों से अपील की कि पहलगाम में जान गंवाने वाले ''परिवार जनों को श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ पल का मौन रखें। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हमले में लोगों ने अपने बेटों, भाइयों और पतियों को खो दिया। उन्होंने कहा कि मारे गए लोग भारत के विभिन्न हिस्सों से थे, चाहे बंगाल हो, कर्नाटक हो, महाराष्ट्र हो, गुजरात हो, ओडिशा हो या बिहार हो।

उन्होंने कहा, ''करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख और गुस्सा समान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से विकास के लिए शांति और सुरक्षा सबसे जरूरी शर्तें हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यक्रम में पहलगाम हमले की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि पूरे देश को मोदी की ताकत पर भरोसा है और हमें विश्वास है कि वह उचित समय पर दहशतगर्दों को मुहंतोड़ जवाब देंगे। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती करने, 1960 की सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए। पहलगाम में नृशंस हमले में 26 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई,।

पहलगाम पर कांग्रेस ने रैली टाली

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एचपीसीसी) ने जम्मू–कश्मीर के शहर पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद, शिमला में होने वाली संविधान बचाओ रैली स्थगित कर दी है। एचपीसीसी के आधिकारिक सर्कुलर के अनुसार, पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की मौत के चलते यह फैसला लिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि यह कदम पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उठाया गया है।

कानपुर में शहीद शुभम के घर पहुचे मुख्यमंत्री आतंकवाद पर बिफरे पीएम मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करे देश -योगी

कानपुर (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरे भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करना चाहिए और पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों को सजा जरूर मिलेगी। पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर के युवक शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात करने के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम हमला एक क्रूर और कायराना हरकत है, तथा कोई भी सभ्य समाज इसे स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे भारत को विश्वास करना चाहिए। सरकार की आतंकवाद के प्रति नीति 'कतई बर्दाश्त नहीं करने की है और वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूद करेगी। आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि आपने देखा होगा, कल इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोंकने की शुरुआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक में जो निर्णय लिए गए हैं, गृहमंत्री ने स्वयं उन क्षेत्रों का दौरा किया और आगे की रणनीति के साथ ही आतंकवाद और उग्रवाद के खात्मे की नई पहल के लिए अब पूरा भारत आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, डबल इंजन की भाजपा सरकार आतंकवादियों पर दायर मुकदमे वापस नहीं लेती और ना ही वहां अपना वोट बैंक देखती है। सरकार पूरी सख्ती से आतंकवादियों को कुचलेगी और हर व्यक्ति इसे देखेगा। इसके पूर्व, आदित्यनाथ ने पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर निवासी शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैंने अभी शुभम द्विवेदी के परिवार के सभी सदस्यों से मुलाकात की है। उनके पूज्य पिता से मेरी कल भी बात हुई थी और रात्रि में ही उनका पार्थिव शरीर यहां आया। परिवार दुखी है। शुभम द्विवेदी परिवार के एकमात्र पुत्र थे और दो महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी। मैं दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करता हूं। परिवार के लोगों के प्रति हमारी पूरी संवेदना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवादियों ने मां–बहनों के साथ जिस तरह से बर्बरता करते हुए उनके सामने ही उनके सिंदूर उजाड़ दिए, इसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को भी सजा जरूर मिलेगी। उसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए। हमारी डबल इंजन की सरकार पूरे परिवारों के साथ खड़ी है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार, 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में कानपुर निवासी 31 वर्षीय कारोबारी शुभम द्विवेदी की मौत हो गई थी। उनके पार्थिव शरीर का आज सुबह अंतिम संस्कार किया गया।

सूचना निदेशालय में सबका साथ सबका विकास के तहत भेदभाव रहित व्यवस्था लागू करने की तैयारी

जिला सूचना कार्यालयों की कार्यप्रणाली में भी सुधार जरूरी –निदेशक

लखनऊ। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश में नवागंतुक सूचना निदेशक श्री विशाल सिंह ने कहा है कि माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप सबका साथ सबका विकास को अमल में लाते हुए सूचना विभाग में भेदभाव रहित व्यवस्था लागू होगी। प्रदेश सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के अखबारों का ध्यान रखा जाएगा।

सूचना निदेशालय में पदभार संभालने के बाद उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन एवं श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष उमाकांत बाजपेई, प्रवक्ता राकेश कश्यप, सचिव अनुराग शर्मा, भूपेन्द्र मणि त्रिपाठी,सन्दीप अस्थाना, कोल पत्रकार, रूबा खान, प्रिया भट्टाचार्य, निधि रावत आदि तमाम पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में सूचना निदेशक श्री विशाल सिंह ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जिला सूचना कार्यालयों की कार्यप्रणाली में भी सुधार जरूरी है। जिला सूचना अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे शासन एवं मीडिया के मध्य सेतु की भूमिका का निर्वहन पूरी कर्मठता से करें।

मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन ने नई नियुक्ति पर गुलदस्ता भेंटकर उन्हें बधाई दी। सूचना निदेशालय में हुई इस शिष्टाचार भेंट के दौरान अपर सूचना निदेशक डॉ. अंशुमान राम त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि 3 नवंबर 1973 में जन्मे श्री विशाल सिंह जी भदोही के जिलाधिकारी पद से स्थानांतरित होकर सूचना निदेशक के पद पर नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही इन्हें संस्कृति विभाग में विशेष सचिव एवं निदेशक का कार्यभार भी सौंपा गया है।

सम्पादकीय

बेटियों की सुरक्षा पर सवाल

अजमेर की छात्राएं पढ़ी–लिखी थीं, लेकिन वे सामाजिक चुप्पियों और डिजिटल खतरों से अनजान थीं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं, सुरक्षा भी सिखाए। और परवरिश सिर्फ आज्ञाकारी बनाने के लिए नहीं, संघर्षशील और सचेत नागरिक बनाने के लिए होनी चाहिए। हमारी बेटियां फंसती नहीं हैं, फंसाई जाती हैंकृ और जब तक शिक्षा सिर्फ अंकों तक सीमित रहेगी, ये शिकारी जाल बार–बार बुने जाते रहेंगे।पढ़ी–लिखी लड़कियों को यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामलों में इतनी आसानी से कैसे फंसने दिया जाता है? यह सवाल अक्सर तब पूछा जाता है, जब मीडिया में किसी लड़की के साथ यौन शोषण या ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आता है। लेकिन यह सवाल गलत है। सही सवाल यह होना चाहिए कि वह फंसी नहीं, फंसाई गईकृएक साजिश, एक शोषण तंत्र और एक चुप्पी के गठजोड़ द्वारा। इस मामले में केवल लड़की दोषी नहीं, बल्कि वह समाज और सिस्टम भी दोषी है, जिसने उसे सुरक्षित और संवेदनशील बनाने के बजाय सिर्फ ष्संभल कर रहनेष की शिक्षा दी।अजमेर कांडरू एक काला अध्याय अजमेर का नाम जब भी यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामलों में लिया जाता है, तो 1992 में हुए गैंगरेप कांड का जिक्र जरूरी हो जाता है। उस समय के अजमेर गैंगरेप कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था, जब राजनीतिक और धार्मिक रसूख वाले लोग, और खासकर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह से जुड़े लोग, हज़ारों स्कूल और कॉलेज छात्राओं को फंसा रहे थे। पहले तो उन्हें प्यार के जाल में फंसा कर, फिर उनकी अश्लील तस्वीरें खींच कर, उन्हें ब्लैकमेल किया गया। इस कांड के कारण कई लड़कियों ने आत्महत्या तक कर दी थी। लेकिन अब, 30 साल बाद, एक बार फिर अजमेर में वैसा ही मंजर सामने आया है। इस बार सोशल मीडिया, इंस्टाग्राम चौट, फर्जी प्रोफाइल और वीडियो के ज़रिए सैंकड़ों छात्राओं को ब्लैकमेल किया गया है। पुलिस ने कई लड़कों को गिरफ्तार किया है, जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं।क्या बदला इन तीन दशकों में?30 साल पहले की तुलना में आजकल लड़कियों की शिक्षा और जागरूकता के स्तर में जरूर बदलाव आया है, लेकिन क्या आज भी हमें यह लगता है कि अजमेर जैसी घटनाओं को टाला जा सकता था? क्या हम लड़कियों को पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त कदम उठा पा रहे हैं? क्या आज भी स्कूल और कॉलेजों में सुरक्षा के बारे में गहरे सवाल नहीं खड़े होते?

परवरिश की खामोश पटरियां अक्सर जब कोई लड़की यौन शोषण का शिकार होती है, तो यह सवाल उठता है कि उसने यह क्यों होने दिया? क्या उसका कोई दोष था? लेकिन असलियत यह है कि जब लड़कियों को बचपन से ही यह शिक्षा दी जाती है कि ष्लड़कों से दूर रहोष या ष्तुमसे गलती हो सकती हैष, तो वे इस डर में बड़ी होती हैं कि अगर कुछ हुआ तो कौन उनका साथ देगा? यही डर और चुप्पी उन्हें अपराधियों का शिकार बना देती है। अगर उन्हें यह सिखाया जाए कि ष्यह तुम्हारी गलती नहीं है, तुम सुरक्षा की हकदार हो, और तुम्हें मदद मांगने का अधिकार है,ष तो शायद वे इन स्थितियों से उबर पातीं।

शिक्षा संस्थानरू किताबें हैं, करुणा नहीं हमारे स्कूल और कॉलेज अब केवल शैक्षिक संस्थान बनकर रह गए हैं, जहां शिक्षा का केवल एक ही उद्देश्य होता हैकृअंकों के आधार पर परिणाम प्राप्त करना। इन्हीं संस्थानों में न तो कोई यौन शिक्षा होती है, न लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में कक्षाएं होती हैं, और न ही कोई मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग की सुविधा। लड़कियों को न केवल आत्मरक्षा की शिक्षा की जरूरत है, बल्कि उन्हें यह समझने की भी जरूरत है कि प्यार और रिश्तों में शोषण के क्या संकेत हो सकते हैं। जब लड़कियों की शिकायतों पर यह प्रतिक्रिया मिलती है, ष्तुमने ही कुछ किया होगा, तब उसने वीडियो बनाया,ष तो यह समस्या की गंभीरता को नजरअंदाज करने जैसा है।

सोशल मीडियारू आधुनिक शिकारी की बंदूक सोशल मीडिया और चौटिंग ऐप्स ने अपराधियों के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। अजमेर के नए मामले में जो हुआ, वह आधुनिक डिजिटल शिकारी के रूप में सामने आया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, स्नैपचौट और व्हाट्सएप का उपयोग करके पहले झूठे प्रेम संबंध बनाए जाते हैं, फिर इंटिमेट चौट्स और वीडियो बनाए जाते हैं, और अंत में ब्लैकमेलिंग और शोषण की प्रक्रिया शुरू होती है। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि लड़कियां इन प्लेटफॉर्म्स पर भावनात्मक रूप से असुरक्षित होती हैं। वे इन्हें एक सुरक्षित, गुप्त रिश्ते के रूप में देखती हैं, और फिर अपराधी उनका विश्वास तोड़ते हैं। समाज का दोगलापन जब लड़कियां पढ़ाई में अव्वल होती हैं, तो उन्हें सराहा जाता है। लेकिन जैसे ही वे किसी लड़के से दोस्ती करती हैं, या सोशल मीडिया पर सक्रिय होती हैं, उन्हें ष्आवाराष और ष्बिगड़ी हुईष करार दे दिया जाता है। अजमेर जैसी घटनाओं के बाद समाज यही सवाल करता हैकृष्तुमने ही क्यों भरोसा किया?ष जब कि यह सवाल उल्टा होना चाहिएकृष्तुम्हारे स्कूल और कॉलेज में सुरक्षा तंत्र कहां था?ष हमारे समाज में लड़कियों को केवल एक दिशा में ही शिक्षित किया जाता है, वह है, ष्संभल कर रहोष। लेकिन क्या लड़कियों को यह भी सिखाया गया है कि वे अपने अधिकारों की रक्षा कैसे कर सकती हैं? क्या हमें यह समझने की जरूरत नहीं कि लड़कियों को ष्अपने बचावष के लिए तैयार करना केवल उनका व्यक्तिगत जिम्मा नहीं, बल्कि पूरे समाज का जिम्मा है?पुलिस और प्रशासन की चुप्पीकभी 1992 में अजमेर गैंगरेप कांड के समय पुलिस और प्रशासन ने राजनीतिक दबाव के कारण मामले को दबा दिया था। अब भी वही हो रहा हैकृकई आरोपियों के नाम सामने नहीं आ रहे हैं, और नाबालिगों को किशोर न्याय कानून का सहारा मिल रहा है। क्या यही वह सिस्टम है, जिस पर हमें भरोसा करना चाहिए? जब पुलिस और प्रशासन चुप रहते हैं, तो शोषण और बलात्कार की घटनाओं को दबा दिया जाता है। यही हाल आजकल के कॉलेजों और स्कूलों में भी हो रहा है, जहां सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है।अजमेर और कोटा जैसे मामलों में यह भी सामने आया कि लड़कियों को सोशल मीडिया, चौटिंग ऐप्स, फर्जी प्रोफाइल के ज़रिए जाल में फँसाया गया। जब ऑनलाइन संवाद शुरू होता है, तो वह एक 'गोपनीय रिश्ता' जैसा लगने लगता है। इसी भरोसे का शोषण होता है।किसी लड़की का विश्वास करना, प्रेम में पड़ना या किसी से बात करना अपराध नहीं है। अपराध तब होता है जब कोई इस भरोसे का बलात्कार करता है, ब्लैकमेल करता है, और उसे अपमान में जीने पर मजबूर करता है। ऐसे मामलों में हमें पीड़िता को दोष नहीं देना चाहिए, बल्कि यह पूछना चाहिए कि उस कॉलेज में सुरक्षा तंत्र कैसा था?

अभी तो मेंहदी सूखी भी न थीः पहलगाँव की घाटी में इंसानियत की हत्या

डॉ सत्यवान सौरभ

22 अप्रैल 2025, सुबह के कुछ शांत लम्हे। जम्मू–कश्मीर के पहलगाँव में बर्फीली वादियाँ पर्यटकों का स्वागत कर रही थीं। नवविवाहित जोड़े, बच्चे, बुजुर्ग दृ सबको उम्मीद थी कि कश्मीर की हवा में सुकून मिलेगा, तनाव से कुछ राहत मिलेगी। लेकिन तभी आतंक की आहट हुई। बंदूकें गरजीं। और उस वादी में जहाँ बर्फ गिरती है, अब खून बहा।

राजस्थान से आया एक नवविवाहित दंपत्ति भी उन्हीं पर्यटकों में था। दोनों ने अभी पांच दिन पहले ही शादी की थी। वो अपने हनीमून के लिए कश्मीर आए थे। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। आतंकियों ने गाड़ी रोकी, नाम पूछा, पहचान की और फिर गोली मार दी। युवक हिन्दू था। बस यही उसके मरने की वजह बन गई। सिर में गोली लगी। मौके पर ही दम तोड़ दिया। उसकी पत्नी, जिसके हाथों की मेंहदी अभी भी गीली थी, स्तब्ध खड़ी थी। शोक से ज़्यादा वो एक अनकहे डर में जमी हुई थी दृ जैसे समय वहीं थम गया हो।

यह सिर्फ एक आतंकी हमला नहीं था। यह योजनाबद्ध हत्या थी दृ एक सोच के तहत, एक धर्म के आधार पर। आज आतंकवाद महज़ क्षेत्रीय या वैचारिक लड़ाई नहीं रह गया है। यह अब धार्मिक पहचान को मिटाने का एक उपकरण बन चुका है। यह हत्या बताती है कि कुछ तत्व अब यह तय कर चुके हैं कि कौन जिएगा, कौन मरेगा दृ और यह फ़ैसला नाम पूछकर किया जाएगा।

क्या यही इंसानियत है? क्या यही 'कश्मीरियत' है, जिसके नाम पर हम वर्षों से शांति की दुहाई दे रहे हैं?

सोशल मीडिया पर उस पत्नी की तस्वीर वायरल हुई, जो अपने पति के शव को निहार रही थी। न चीख, न रोना, न प्रतिरोध। बस एक स्थिर मौन दृ जो पूरी व्यवस्था पर सबसे कठोर आरोप बन गया। उस मौन में एक सवाल छुपा हैरू "हमने क्या ग़लत किया?" क्या एक जोड़े का कश्मीर आना, उसकी सुंदरता देखना, उसकी वादियों से प्यार करना अब गुनाह बन चुका है?

हमें समझना होगा कि इस तस्वीर में केवल एक महिला नहीं थी, बल्कि उस पूरे राष्ट्र की आत्मा थी दृ जख़्मी, असहाय और शर्मसार।सुरक्षा की विफलता और प्रशासन की संवेदनहीनता

हर हमले के बाद सरकार की ओर से एक तैयार स्क्रिप्ट आती है दृ निंदा, मुआवज़ा, जाँच। लेकिन जवाबदेही कहीं नहीं होती। क्या यह सवाल नहीं पूछा जाना चाहिए कि घाटी में आतंकियों को खुलेआम चलने–फिरने की छूट कैसे मिलती है? वे नाम पूछकर कैसे किसी को गोली मार सकते हैं और फिर बच निकलते हैं?क्या पर्यटन सीजन में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती नहीं होनी चाहिए? क्या जम्मू–कश्मीर प्रशासन को यह नहीं पता कि ऐसे हमले पर्यटन, अर्थव्यवस्था और भारत की एकता दृ तीनों पर हमला करते हैं? मानवाधिकार या आतंक के अधिकार?

जब भी भारत आतंक के ख़िलाफ़ सख़्ती दिखाता है, तो मानवाधिकार की दुकानें खुल जाती हैं। दिल्ली, लंदन, न्यूयॉर्क दृ हर जगह के तथाकथित बुद्धिजीवी अचानक 'संवेदना' से भर जाते हैं। लेकिन जब किसी हिंदू नागरिक को सिर्फ उसके नाम के कारण सिर में गोली मारी जाती है, तब यही आवाज़ें खामोश हो जाती हैं।क्यों? क्या एक विशेष समुदाय के पीड़ितों के लिए ही संवेदना है? क्या हिन्दू होना अब मानवाधिकार के चश्मे से अदृश्य हो जाना है?यह हमला पूरे भारत पर है

पहलगाँव हमला केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं है दृ यह भारत की आत्मा पर हमला है। यह संदेश देने की कोशिश है कि "यहाँ तुम्हारी जगह नहीं है"। यह भारत की एकता, समरसता और धर्मनिरपेक्षता को चुनौती है। और यदि हमने इस चुनौती को केवल ट्वीट और मोमबत्तियों से उत्तर दिया, तो अगला निशाना कोई और शहर, कोई और नाम, कोई और नवविवाहित होगा।

पाकिस्तान का रोल और वैश्विक चुप्पीहमेशा की तरह, इस हमले के पीछे जिस आतंकी संगठन का नाम आया दृ 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' दृ वह लश्कर–ए–तैयबा का ही नया अवतार है। और इसकी जड़ें पाकिस्तान में हैं।

लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान अभी भी 'आतंकवाद का शिकार देश' बना बैठा है। संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोप दृ सभी को यह साफ–साफ कहना चाहिए कि धार्मिक आधार पर नागरिकों की हत्या केवल एक देश का नहीं, बल्कि वैश्विक मानवता का संकट है।

भारत को अब दो टूक निर्णय लेने की ज़रूरत है। कश्मीर में आतंक का सामना केवल पुलिस नहीं कर सकती, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए। अलगाववाद की नर्म परतों को उखाड़ फेंकना होगा। धार्मिक पहचान के नाम पर फैलाई जा रही नफ़रत को सामाजिक स्तर पर भी चुनौती देनी होगी। इसके साथ–साथ, हमें यह तय करना होगा कि कश्मीर में पर्यटन केवल "स्वर्ग" दिखाने का सौदा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का सेतु है दृ और इस सेतु की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है।

हर आतंकी हमले के बाद हम कुछ दिन दुखी होते हैं, फिर भूल जाते हैं। लेकिन उस स्त्री के लिए, जिसने अपने पति को खोया, जो लहूलुहान सपनों के साथ अकेली रह गई, यह घटना एक जीवन भर का घाव है। उसके लिए यह कोई न्यूज़ नहीं, यह उसका टूटता संसार है। हमारी संवेदना केवल सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। हमें पूछना चाहिए दृ ष्कब तक? कब तक हम अपने नागरिकों की रक्षा नहीं कर पाएँगे? कब तक हम आतंकी हमलों पर केवल मोमबत्तियाँ जलाते रहेंगे?

सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ़ टिप्पणी से बवाल-सांसद बनाम सुप्रीम कोर्ट

सपना राय

वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि विधायिका,कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच तालमेल डगमगाने की खबरें आती रहती है।विधायिका कानून बनाकर न्यायपालिकाओं के पर कतरनें में लगे हुए हैं, जिसका ताजा सटीक उदाहरण इज़राइल, पाकिस्तान जैसे कुछ देश हैं जिन्होंने कानून पारित कर न्यायपालिका के पर कतरे हैं। भारत में भी न्यायिक अपॉइंटमेंट कमीशन बिल सहित अनेक ऐसे सुझाव दिए हैं कि न्यायाधीशों की कॉलेजियम सिस्टम से नियुक्ति न करने तथा इसपर आयोग या कानून बनाकर न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाए। परंतु न्यायपालिका कोई दखल नहीं चाहता। आज हम इस विषय पर चर्चा इसीलिए कर रहे हैं क्योंकि 17 अप्रैल 2025 को माननीय राष्ट्रपति ने,19 अप्रैल 2025 को सत्ताधारी पार्टी के सांसद ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर टिप्पणी की, जिसके कारण विधायिका कार्यपालिका व न्यायपालिका में बवाल मचा हुआ है, व अवमानना की याचिकाएं उपरोक्त धाराओं के अंतर्गत अनुमति/सहमति के लिए फाइल कर दी गई है। परंतु मेरा मानना है कि सांसद पर अवमानना की कार्रवाई की संभावना कम नजर आ रही है,क्योंकि सॉलिसिटर जनरल अटॉर्नी जनरल की सहमति नहीं मिलेगी।परंतु मेरा मानना है कि इस तरह की टिप्पणियाँ बिना किसी बैकिंग पावर के नहीं दी जा सकती,।

सामाजिक संस्थाओं ने एक राष्ट्र–एक चुनाव व्यवस्था को शीघ्र लागू कराने पर दिया बल

एक राष्ट्र–एक चुनाव व्यवस्था से देश होगा समृध्द और विकसित –अरविंद श्रीवास्तव

रायबरेली। एक राष्ट्र–एक चुनाव विषय पर रायबरेली की सामाजिक संस्थाओं के साथ संवाद कार्यक्रम शहर के कचेहरी रोड स्थित एक बैंक्वेट हाल में संपन्न हुआ। सुभाष चंद्र बोस सेवा संस्थान और माधव सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व डीजीएम और कैरियर काउंसलर इंजीनियर अनिल श्रीवास्तव, कार्यक्रम के मुख्य संयोजक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट माधव सेवा संस्थान की अध्यक्ष प्रियंका अवस्थी के द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में रायबरेली जिले में कार्यरत सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख प्रतिनिधियों ने अपने उदगार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने एक राष्ट्र–एक चुनाव अभियान को देश की जरूरत बताते हुए कहा कि पाँच वर्षों में एक बार चुनाव होने से सरकारी धन का दुरुपयोग रुकेगा, जो देश के विकास कार्यों में लगेगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व डीजीएम और कैरियर काउंसलर इंजीनियर अनिल श्रीवास्तव ने एक राष्ट्र–एक चुनाव विचार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि ऐसा होता है, तो इससे बहुत सारे काले धन के प्रसार में कमी आएगी जिससे देश में होने वाले भ्रष्टाचार भी रुकेगा।कार्यक्रम संयोजक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट ने एक राष्ट्र–एक चुनाव कानून को देश में अतिशीघ्र लागू करने पर बल देते हुए कहा कि बार–बार लगने वाली चुनाव आचार संहिता से विकास कार्य बाधित होते हैं, यदि शीघ्र यह कघनून लागू होता है तो देश समृद्धशाली होगा और भारत में विकास कार्य बहुत तेजी से होंगे।

कार्यक्रम का संचालन माधव सेवा संस्थान की अध्यक्ष प्रियंका अवस्थी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ओम शिवशक्ति मानव सेवा मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी, रोटरी क्लब के अध्यक्ष राकेश कक्कड़, सचिव विवेक सिंह, भारत विकास परिषद से नवल किशोर बाजपेई, कोचिंग एसोसिएशन के संरक्षक आलोक श्रीवास्तव, वरिष्ठ नागरिक समिति की ओर से राजा राम मौर्य आदि ने एक राष्ट्र–एक चुनाव व्यवस्था को शीघ्र लागू करने पर बल दिया।

इस अवसर पर भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला सह–संयोजक अमित श्रीवास्तव ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के जिला सह–संयोजक जितेंद्र भारतीय, प्रसिद्ध लोक गायिका काजल सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं। शैलेन्द्र अग्निहोत्री, ओंकार गुप्ता, अंशिका अवस्थी, आकांक्षा शुक्ला, अर्पित यादव, धीरज श्रीवास्तव, खुशी सिंह, महेंद्र अग्रवाल, राम प्रकाश श्रीवास्तव, भव्या शर्मा, अर्चना कौशल, मंजू शास्त्री, राघवेन्द्र सिंह, अपर्णा वर्मा सहित जिले में अपनी निस्वार्थ सेवायें देने वाली 21 संस्थाओं के प्रतिनिधियों का इस अवसर पर सम्मान भी किया गय। इस मौके पर शिवेन्द्र सिंह, विनय अग्रहरि, विमलेश मिश्रा सहित अनेको गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नवागंतुक पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने ग्रहण किया पदभार

बांदा। नवागंतुक पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत पुलिस कार्यालय की शाखाओं का निरीक्षण किया। कार्यालय में जनसुनवाई कर जनता की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को किया गया निर्देशित, नवागंतुक पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल द्वारा पदभार ग्रहण करने के उपरांत दिनांक 24 अप्रैल 2025 को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गई, इस दौरान आगंतुक लोगों की शिकायतें गम्भीरता से सुन उनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा पुलिस कार्यालय की शाखाओं का निरीक्षण किया गया, इस दौरान उनके द्वारा जन शिकायत प्रकोष्ठ, प्रधान लिपिक शाखा, रिट शाखा, जांच शाखा, आंकिक शाखा आदि शाखाओं के अभिलेखों के रखरखाव, कार्य प्रणाली, शिकायत निस्तारण प्रक्रिया की गहनता से समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मंडलायुक्त द्वारा विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

बांदा। आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बाँदा अजीत कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आयुक्त ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागीय कार्यों को तेज गति व समय से पूर्ण करें। उन्होंने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए चित्रकूट जनपद में कार्य को तेज गति के साथ जून, 2025 तक पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वयं सहायता समूह के अन्तर्गत समूहों को क्रेडिट बैंकिग लिंकेज किये जाने तथा सीसीएल ऋण दिलाये जाने के कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत युवा उद्यमियों को 5 लाख रूपये की धनराशि का ऋण बिना ब्याज एवं मार्जन मनी के साथ दिये जाने हेतु लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश समस्त जिला उद्योग प्रबन्धकों को दिये। उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अधिकारियों को प्राथमिकता पर कार्य को शीघ्र पूर्ण कराये जाने हेतु तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में फैमिली आईडी बनाये जाने के कार्य की समीक्षा करते हुए सभी खण्ड विकास अधिकारियों एवं अधिशाषी अधिकारियों नगरपालिका एवं नगर पंचायत के माध्यम से शीघ्र फैमिली आईडी बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने राजस्व वादों का शीघ्र निस्तारण करने तथा वरासत के प्रकरणों का समय से निस्तारण करने के साथ भूमि पैमाइश तथा भूमि विवाद के प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किये जाने के निर्देश दिये। विकास कार्यों में जनपद हमीरपुर की रैकिंग बेहतर पायी गयी। उन्होंने इस प्रकार अन्य जनपदों की भी रैकिंग लाने के निर्देश दिये।

शांभवी तिवारी ने यूपीएससी एग्जाम में 445वीं रैंक प्राप्त जिले नाम रोशन किया

बांदा। शांभवी तिवारी ने कड़ी मेहनत करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह परीक्षा भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है, जिसमें लाखों उम्मीदवार हर साल भाग लेते हैं। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के लिए वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण, और एक सुनियोजित रणनीति की आवश्यकता होती है। शांभवी की सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और परिश्रम का परिणाम है, बल्कि उनके परिवार के समर्थन और मूल्यों का भी प्रतीक है। शांभवी की सफलता की कहानी में उनके परिवार का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी माताजी, निवेदिता तिवारी, जो हल्द्वानी के एक विद्यालय में प्रोफेसर हैं, ने निश्चित रूप से उन्हें शिक्षा के महत्व को समझने और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया होगा। एक शिक्षिका होने के नाते, वे शांभवी की पढ़ाई के दौरान मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम रही होंगी। उनके बाबा, शिवसहाय तिवारी, जिन्होंने किसानी करते हुए भी अपने बच्चों को शिक्षा और अच्छे संस्कारों का महत्व सिखाया, का भी शांभवी के जीवन पर गहरा प्रभाव रहा होगा। भारतीय संस्कृति में अक्सर दादा–दादी अपने पोते–पोतियों को महत्वपूर्ण जीवन मूल्य और नैतिक शिक्षा देते हैं, और श्री शिवसहाय तिवारी ने निश्चित रूप से शांभवी को वह आधार प्रदान किया होगा जिस पर उनकी सफलता की नींव टिकी है। शांभवी तिवारी ने पंतनगर विश्वविद्यालय से बी.टेक की डिग्री प्राप्त की है। इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि होने के बावजूद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा को चुना और उसमें सफलता प्राप्त की, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने एक ऐसे क्षेत्र से निकलकर यह सफलता हासिल की है जो बड़े महानगरों की तरह शैक्षिक अवसरों से उतना समृद्ध नहीं हो सकता है। बांदा जैसे जिले से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त करना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। शांभवी की उपलब्धि न केवल उनके परिवार और गांव भुजरख के लिए बल्कि पूरे तिंदवारी कस्बे और बांदा जिले के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। यह सफलता यह दर्शाती है कि यदि दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत की जाए तो छोटे शहरों और कस्बों के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। अब जब शांभवी तिवारी ने आईएएस में सफलता प्राप्त कर ली है, तो उनके सामने देश सेवा का एक विशाल अवसर है। एक आईएएस अधिकारी के रूप में, उनके पास नीति निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और राष्ट्र के विकास में योगदान करने का मौका होगा। शांभवी तिवारी की कहानी एक प्रेरणादायक कहानी है जो कड़ी मेहनत, परिवार के समर्थन और दृढ़ संकल्प के महत्व को दर्शाती है। उनकी सफलता बांदा जिले के युवाओं के लिए एक उदाहरण है कि कैसे वे अपनी पृष्ठभूमि की सीमाओं को पार करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। हमें उम्मीद है कि शांभवी एक समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में देश की सेवा करेंगी और अपने जिले का नाम और भी रोशन करेंगी।

शालिनी सिंह पटेल को बनाया गया जनता दल (यूनाइटेड) प्रदेश उपाध्यक्ष

बांदा। जनता दल (यूनाइटेड) ने उत्तर प्रदेश की सक्रिय, निडर और जमीनी नेता शालिनी सिंह पटेल को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। महिला प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपने ढाई वर्षों के कार्यकाल में शालिनी सिंह पटेल ने महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और पत्रकारों की आवाज को बुलंद किया। उन्होंने पार्टी की विचारधारा को गाँव–गाँव तक पहुँचाया और संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त किया। उनका निष्ठा–पूर्ण, निःस्वार्थ और जनसेवा के प्रति समर्पित कार्य आज उन्हें इस बड़ी जिम्मेदारी तक ले आया है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए शालिनी सिंह पटेल भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि मेरे पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन नीतीश कुमार और श्रवण कुमार ने मुझे बेटी जैसा स्नेह और मार्गदर्शन दिया। यह पद मेरे लिए कोई औपचारिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनता के प्रति मेरा व्रत है।

डीएम सीडीओ द्वारा सूचना विभाग सहित कई कार्यालयों का औचक निरीक्षण

फतेहपुर, संवाददाता। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्री पवन कुमार मीना ने विकास भवन स्थित कार्यालयों जिला विकास कार्यालय, जिला पंचायत राज कार्यालय, युवा कल्याण कार्यालय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, जिला कृषि कार्यालय, आरईएस, जल निगम ग्रामीण, जिला सूचना कार्यालय, प्रोबेशन कार्यालय, जिला समाज कल्याण कार्यालय (विकास), जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण कार्यालय, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय, पशुपालन, लघु सिंचाई, उद्यान आदि का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभागों के पटल सहायकों से किए जा रहे कार्यों के सम्पादन की अद्यतन स्थिति को जाना और कहा कि पत्रावलियों को दुरुस्त रखे तथा कार्यालय में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाय। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अधिवक्ता के घर हुई चोरी का खुलासा, नगदी व चोरी के माल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर, संवाददाता। सदर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन्स नवैया स्थित आयकर अधिवक्ता के घर दस दिन पूर्व हुई चोरी की घटना का सदर कोतवाली पुलिस ने खुलासा करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से नगदी समेत चोरी गया माल भी बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए चोरों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया। कोतवाली परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए क्षेत्राधिकारी नगर सुशील कुमार दुबे ने बताया कि आयकर अधिवक्ता राजीव कुमार अग्रवाल पुत्र स्व0 लल्लूराम अग्रवाल निवासी 31/64 सिविल लाइन्स नवैया रोड थाना कोतवाली ने तहरीर देकर बताया था कि 14/15 अप्रैल की रात घर के पीछे की खिड़की तोड़कर घर में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल की। विवेचना से प्रकाश में आए अभियुक्त वकील अहमद पुत्र अतीउल्ला निवासी कुशमहार थाना पचपेड़वा जिला बलरामपुर व मनोज पुत्र गिरीश कुमार निवासी मौलानापुर थाना अहिरौला जिला आजमगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त वकील के पास से एक लाख सात हजार आठ सौ बासठ रूपए नगद, सफेद धातु के दो सिक्के, पीली धातु के दो जोड़ी टप्स, एक रेडमी मोबाइल व मनोज के पास से बीस हजार रूपए नगद बरामद किए हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमें में धारा 317 (2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी कर अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक तारकेश्वर राय, उपनिरीक्षक अनुज यादव, राजेश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल महेन्द्र कुमार, कांस्टेबल लोकेन्द्र तोमर, राहुल कुमार शामिल रहे।

क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरित

फतेहपुर, संवाददाता। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के संयोजकत्व में 194 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरण कार्यक्रम टीबी विकास भवन सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी श्री पवन कुमार मीना व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 राजीव नयन गिरि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम उपस्थित सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को रेडक्रास वेशभूषा पहनाकर व पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सर्वप्रथम जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा 5 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया फिर उपस्थित सभी आजीवन सदस्यों द्वारा गोद लिए गए सभी 194 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के दिशा निर्देशानुसार टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम चलाए जा रहे है। राज्य सरकार द्वारा पूर्व में अभियान चलाकर टीबी मरीजों को आवश्यक सुविधाएं व जांचे उपलब्ध कराई गई। उन्होंने टीबी मरीजों से कहा कि सभी दवाएं समय पर लेते रहे, बीच में ईलाज न छोड़े जिससे कि आप पहले की तरह स्वस्थ्य हो जाएंगे, निक्षय योजना के तहत टीबी के मरीजों को पोषण सामग्री का वितरण किया जा रहा है। सरकारी विभागों के साथ समाज के लोग जब जिम्मेदारी समझने लगते है, समाज में इसका बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा ऐसे लोग जिनको टीबी होने के लक्षण दिखाई दे रहे हो, वह नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में अपनी जांच अवश्य कराए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि जनपद में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य करे साथ ही लोगों को इसके बारे में जागरूक अवश्य करें। उन्होंने इंडियन रेडक्रास सोसाइटी द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट सेवाकार्यों का उत्साहवर्धन किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा सभी को टीबी मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई अंत में एक दिन पूर्व पहलगाम में हुई आतंकी घटना जिसमें 27 पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा नृशंस हत्या कर दी गई के लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. निशांत शहाबुद्दीन, इंडियन रेडक्रास सोसाइटी चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, इंडियन रेडक्रास सोसाइटी वाइस चेयरमैन डॉ. रज़िया सुल्ताना, सचिव अजीत सिंह, आजीवन सदस्य डॉ अरुणा श्रीवास्तव, छाया श्रीवास्तव, रीता सिंह तोमर, साधना चौरसिया, कल्पना सिंह, विभा मिश्रा, शैलेन्द्र रस्तोगी, गिरजाशंकर श्रीवास्तव, सर्वेश गुप्ता, वेदप्रकाश गुप्ता,संजय श्रीवास्तव, डॉ कृष्ण चंद्र श्रीवास्तव, दिनेश चंद्र श्रीवास्तव, गोस्लाल,पुनीत वीरविक्रम, राकेश कुमार, चैतन्य कुमार, राशिद हुसैन, सुरेशचंद्र श्रीवास्तव, सुरेश कुमार श्रीवास्तव, मानिक चंद्र गुप्ता, डॉ विक्रांत विकल त्रिपाठी,सुजीत सिन्हा, श्यामबाबू भारती, बृजकिशोर सहित सभी गणमान्य आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत निःशुल्क कोचिंग

फतेहपुर। जनपद के समाज कल्याण अधिकारी श्री अवनीश कुमार यादव, फतेहपुर ने बताया कि सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत यूपीएस०सी०, यूपीपी०सी०एस०, एन०डी०ए०, सी०डी०एस०, नीट, जे०ई०, अन्य एकदिवसीय परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जायेगी, जिसके लिये इच्छुक छात्रछात्रायें सत्र–2025–26 हेतु 07 अप्रैल 2025 से 07 मई 2025 तक जनपद के स्तर पर आफलाइन तथा अभ्युदय पोर्टल (अभ्युदय.वन) के माध्यम से आनलाइन आवेदन कर सकते है। जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय फतेहपुर, राजकीय पुस्तकालय (मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना पुस्तकालय) फतेहपुर, राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास, महिला बालिका फतेहपुर, राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास खागा, व राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय खासमऊ खागा, फतेहपुर से आफलाइन निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर फोटो, आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र 10वी0, 12वी0 व स्नातक की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर रजिस्ट्रेशन करा सकतें है। प्रवेश परीक्षा की सम्भावित तिथि माह जून 2025 के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है। निःशुल्क कोचिंग का संचालन राजकीय इण्टर कालेज फतेहपुर, सुखदेव इण्टर कालेज खागा व राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय खासमऊ खागा फतेहपुर में 01 जुलाई 2025 से नवीन सत्र प्रारम्भ होगा। अधिक जानकारी के लिये मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत कोर्स कोआर्डिनेटर आनन्द कुमार त्रिपाठी मोबाइल नं0 8574138609 एवं पटल सहायक उमाशंकर सिंह मो० नं0 9129977390 पर सम्पर्क कर सकते है।

प्रातःकालीन न्यायालयों का समय पुनर्निर्धारित

फतेहपुर। जनपद के श्री अनमोल पाल, जनपद न्यायाधीश ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के पत्र के क्रम में उल्लिखित जिलों के प्रातःकालीन न्यायालयों का समय पुनर्निर्धारित किया गया है। प्रातःकालीन न्यायालयों की सूची में फतेहपुर जिला भी शामिल है। पुनर्निर्धारित समय के अनुसार गत वर्षों की भांति प्रातः 8.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे के स्थान पर मई और जून माह के लिए प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक न्यायालय का समय होगा। सचिव, जिला बार एसोसिएशन, फतेहपुर ने मई और जून 2025 के महीने में सुबह की अदालत के लिए एक आवेदन दिया है, इसलिए, माननीय उच्च न्यायालय के पत्र की सामग्री के प्रकाश में और सचिव जिला बार एसोसिएशन जिला फतेहपुर द्वारा दी गई सलाह के आधार पर बाह्य न्यायालय खागा और ग्राम अदालत बिन्दकी का समय माह मई और जून 2025 के लिए सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। तथा भोजन का समय सुबह 10.30 बजे से 11 बजे तक होगा।

पंचायतीराज दिवस पर बकन्धा में विशेष ग्राम सभा का आयोजन

फतेहपुर, संवाददाता। विकास खण्ड तेलियानी के ग्राम बकन्धा में आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन ग्राम प्रधान शिवकांति की अध्यक्षता एवं ग्राम विकास अधिकारी अरविन्द कुमार के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी कन्हैया लाल, वरिष्ठ सलाहकार एवं कार्यक्रम अधिकारी अनुभव कुमार गर्ग, प्रधानाचार्या शैलजा गुप्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूर्णिमा, प्रतिभा दीक्षित, गिरजा देवी, शशि देवी समेत अनेक पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

यह आयोजन स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाने एवं ग्रामीण विकास में पंचायतों की भूमिका को रेखांकित करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम रहा। अनुभव गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभागीदारी से जनकल्याण की दिशा में किए गए प्रयासों की पुनः स्मृति का अवसर है। ग्राम स्तर पर शासन को सशक्त और उत्तरदायी बनाकर ही भारत के समग्र विकास का सपना साकार किया जा सकता है।

इस दिन वर्ष 1993 में 73वां संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिससे पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। वर्ष 2025 में इस दिवस के माध्यम से ग्राम, ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली की भूमिका पर विशेष व्याख्यान भी प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम के दौरान वैन लीर फाउंडेशन द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने वाले पंचायत प्रतिनिधियों की सराहना की गई। इसके साथ ही ग्रामसभा को बकन्धा में प्रस्तावित जनपद के तीसरे लाइट हाउस केंद्र की योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सजीव प्रसारण भी उपस्थित जनसमुदाय ने देखा एवं सुना। सत्र के दौरान संविधान की 11वीं अनुसूची में वर्णित पंचायतों की जिम्मेदारियों, आपदा प्रबंधन (विशेष रूप से लू से सुरक्षा), स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, और स्वच्छता अभियान से जुड़ी गतिविधियों पर वीडियो के माध्यम से समुदाय को जागरूक किया गया।कार्यक्रम के अंत में ग्राम विकास अधिकारी एवं सहायक पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार ने सभी उपस्थितजनों का सक्रिय सहभागिता हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

बतकही
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भूपेंद्र सिंह द्वारा दिशेरा प्रेस, श्याम नगर, खम्भापुर, फतेहपुर से मुद्रित तथा ग्राम– रामपुर पचभिटा, मकान नं. 193, पोस्ट– दावतपुर, थाना–मलवां, जिला– फतेहपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक
भूपेंद्र सिंह